## प्याचा देहिच निविकल्य गाउँ ४३ मा स्वरू नाम है साजे। ज्यासी

(राग: झिंजोटी - ताल: दादरा)

तोचि आम्हां पोषवी। हा अवधूत अवधूत ।।ध्रु. ।। सृष्टिकाम अत्रि जया ध्यानि तोषवी।।१॥ नरहरि श्रीपाद हंस योग शोभवी।।२॥ विश्वसुखा श्रीमाणिक रूप मानवी।।३॥ सकलमतां तारक गुरुमार्ग वाढवी।।४॥ ज्ञानरूप मार्तांड नित्य द्योतवी।।५॥